सुविचार

हर कठिनाई में एक सबक छिपा होता है, बस देखने की नजर चाहिए।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 64 | पंचकूला। शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

यूरोपीय देशों ने लेबनान में इजरायली हमलों को बताया गलत

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। लेबनान में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले की यूरोपीय देशों ने आलोचना की है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि ये सीजफायर नियमों का अपमान है तो ब्रिटिश विदेश मंत्री यवेट कूपर ने इसे पूरी तरह से गलत बताया। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने हिबुल्लाह को हथियार रखने की नसीहत देते हुए इजरायली कार्रवाई को भी गैर जरूरी बताया है।

गुरुग्राम में हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज, 20 घायल

गुरुग्राम। मानेसर में धारा 163 लागू होने के बावजूद वीरवार को हजारों की संख्या में हड़ताली कर्मचारी जुट गए। जिन्हें खदेड़ने के लिए पुलिस लाठीचार्ज किया। जिससे मामला भगदड़ की स्थिति बन गई। इस दौरान 20 से ज्यादा कर्मचारियों को चोटें आई हैं। एक के सिर पर गहरा जख्म है। काफी खून बहने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक महिला बेहोश हो गई। इससे भड़के हड़तालियों ने पुलिस की एक बाइक फूंक दी और गाड़ी पर पथराव किया, जिससे फ्रंट और बैक के शीशे टूट गए। एक पुलिसकर्मी से महिलाओं ने लाठी भी छीनने की कोशिश की गई। इस पर पुलिस कर्मियों की महिलाओं से नोकझोंक और खींचतान भी हुई। कई घंटे तक झड़प चलती रही।

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड, 135 टूरिस्ट को सेना ने बचाया

लाचेन। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने वीरवार के लिए छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसग?, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

कांग्रेस ने जीती पंचकूला नगर निगम में अनुसूचित जाति के वार्ड घटाने की लड़ाई, हाईकोर्ट ने रद्द की अधिसूचना

जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी पूरे मामले की जानकारी

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 9 अप्रैल। कांग्रेस ने पंचकूला नगर निगम में अनुसूचित जाति के वार्ड घटाने की लड़ाई जीत ली है। सरकार ने वार्डों की संख्या 4 से घटाकर 3 कर दी थी। इस बारे में जानकारी देने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी ने वीरवार को यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिला प्रधान संजय चौहान, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता और इस केस में एडवोकेट रहे रविंद्र रावल, पूर्व पार्षद नरेश रावल, पूर्व पार्षद गौतम प्रसाद एवं जिला एनएसयूआई अध्यक्ष (शहरी) नीतीश रावल और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रधान संजय चौहान और एडवोकेट रविंद्र रावल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि भाजपा सरकार ने पंचकूला नगर निगम में जानबूझकर अनुसूचित जाति के वार्डों की संख्या घटाने के लिए गलत ढंग से वार्डबंदी की थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस नेताओं विपक्ष के नेता चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और लोकसभा सांसद वरुण चौधरी ने जिला कांग्रेस को यह जिम्मेवारी दी थी कि इस गलत वार्डबंदी के खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़नी है। इसलिए पहले इस पर आपत्तियां दर्ज कराई थी मगर आपत्तियां दरकिनार कर दी गई। जिला प्रधान ने कहा कि इसके बाद चुनाव ज्ञाता एडवोकेट और पूर्व प्रधान रविंद्र रावल ने 7 पूर्व पार्षदों के माध्यम में उच्च न्यायालय में याचिका दायर करवाई। जिस पर सुनवाई के बाद न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाया गया। अदालत ने अनुसूचित जाति के वार्डों की संख्या 4 से घटाकर 3 करने की अधिसूचना रद्द कर दी। यह कांग्रेस के साथ-साथ पंचकूला नगर निगम में रह रहे अनुसूचित जाति के मतदाताओं की भी जीत है।

मैंने अपना जवाब अनुशासन समिति को भेज दिया है : रावल

पूर्व प्रधान और मेयर पद के दावेदार रविंद्र रावल ने पूर्व डिप्टी सीएम चंद्रमोहन की तरफ से भिजवाए गए कारण बताओ नोटिस के सवाल पर जवाब देते हुए कहा, '' प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन कमेटी को मैंने अपना और अपने भाई नरेश रावल का जवाब भेज दिया है। जवाब में सभी तथ्य दिए गए हैं। जवाब की जानकारी नहीं दे सकता। मगर मैं इतना दावे के साथ कह रहा हूं कि पूर्व उप मुख्यमंत्री के आरोप झूठे और बेबुनियाद हैं। मैंने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद भी पार्टी के सभी कार्यक्रमों में बढ़चढ़कर भाग लिया है।

हाईकोर्ट के फैसले को विधायक चंद्रमोहन ने बताया, लोकतंत्र की जीत

पंचकूला। पंचकूला में वार्डबंदी को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का कांग्रेस विधायक चंद्र मोहन ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक करार दिया है। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह निर्णय लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है और इससे आम जनता को न्याय मिला है।चंद्र मोहन ने इस मुद्दे पर उनके साथ संघर्ष करने वाले सभी पार्षदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस पूरी लड़ाई में पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है, जिनके सहयोग और लगातार प्रयासों के चलते यह मामला न्यायालय तक पहुंचा और अंततः सच्चाई सामने आई।उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनाव को लेकर पंचकूला प्रशासन ने जल्दबाजी में प्रदेश में सबसे पहले वार्डबंदी तैयार कर दी थी। कांग्रेस नेताओं ने प्रारंभिक स्तर पर ही इस प्रक्रिया पर आपत्ति दर्ज करवाई थी, लेकिन प्रशासन ने इन आपत्तियों को खारिज करते हुए वार्डबंदी का अंतिम प्रकाशन कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने शहरी स्थानीय निकाय विभाग हरियाणा को भी शिकायत भेजी, लेकिन वहां भी उनकी बात नहीं सुनी गई।विधायक ने आगे कहा कि वार्डबंदी के दौरान अनुसूचित जाति (एससी) वार्डों की संख्या में कमी को लेकर भी कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था। इसके साथ ही वार्ड आरक्षण के लिए किए गए ड्रा की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए गए थे। बावजूद इसके प्रशासन ने सभी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए अपनी प्रक्रिया को सही ठहराया।चंद्र मोहन ने आरोप लगाया कि वार्डबंदी और आरक्षण प्रक्रिया में नगर निगम पंचकूला, शहरी स्थानीय निकाय विभाग तथा पंचकूला के उपायुक्त (डीसी) शामिल थे। अब हाई कोर्ट के फैसले के बाद इन सभी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल पंचकूला बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल है, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे होने वाली चुनावी प्रक्रियाएं पूरी तरह निष्पक्ष और नियमों के अनुरूप होंगी, ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की जा सके।प्रेस कॉन्फ्रेंस को विजय बंसल , सलीम दबकोरी, संदीप सोही, नवीन बंसल , उषा रानी , रामप्रशाद, गौतम प्रशाद, अरुण मादरा आदि नेताओं ने भी संबोधित किया।

नेचर कैंप थापली छात्रों के लिए रहा आकर्षण का केंद्र : नरेंद्र

पीजीआई रोहतक विवि के विद्यार्थियों ने 3 दिवसीय भ्रमण में लिया उत्साहपूर्वक भाग

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 9 अप्रैल। पीजीआई रोहतक के विद्यार्थियों ने 3 दिवसीय नेचर कैंप थापली भ्रमण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह भ्रमण हरियाणा सरकार के युवा कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, कौशल संवर्धन और व्यक्तित्व निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी योजनाएं चला रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरणीय जागरूकता से भी सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आयोजित नेचर कैंप, ट्रैकिंग कार्यक्रम, कौशल विकास शिविर और जागरूकता अभियान युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को नेचर कैंप थापली जैसे प्राकृतिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण करवाने का उद्देश्य उन्हें हरियाणा की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता और पर्यावरणीय समृद्धि से परिचित कराना है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं तथा उन्हें प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस 3 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा एवं पंजाब के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया है, ताकि वे प्रकृति की सुंदरता का अनुभव कर सकें और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बन सकें। यह कैंप युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व कौशल और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस विद्यार्थियों ने वन विभाग के अधिकारियों द्वारा जलवायु परिवर्तन विषय पर आयोजित व्याख्यान में भाग लिया। यह व्याख्यान डिप्टी रेंजर विजय नेहरा द्वारा दिया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, वन संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। द्वितीय दिवस विद्यार्थियों ने ट्रैकिंग गतिविधि में भाग लेकर प्राकृतिक वातावरण का अनुभव किया और प्रकृति के निकट रहकर सीखने का अवसर प्राप्त किया। ट्रैकिंग के माध्यम से विद्यार्थियों ने जंगल की जैव विविधता, वन्यजीवों के महत्व तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता को समझा। यह 3 दिवसीय नेचर कैंप न केवल विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर रहा है, बल्कि युवाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना भी जागृत कर रहा है।

आठवें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ, 23 तक जागरूकता अभियान

- जन-भागीदारी से अभियान को जन-आंदोलन बनाने के दिए निर्देश
- आंगनवाड़ी केंद्रों पर होंगे स्वास्थ्य जांच व जागरूकता

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 9 अप्रैल। महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचकूला द्वारा आठवें पोषण पखवाड़ा का शुभारंभ आज उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा, सभी महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला पोषण समन्वयक एवं सभी सुपरवाइजर्स भी बैठक में मौजूद रहे।

बैठक में जिले में पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने तथा विभिन्न गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि 9 अप्रैल 2026 से 23 अप्रैल 2026 तक जिले भर में पोषण पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवधि के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों एवं समुदाय स्तर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम, पोषण संबंधी गतिविधियां, स्वास्थ्य जांच एवं जन-भागीदारी आधारित अभियानों का आयोजन किया जाएगा, जिससे आमजन विशेषकर गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों में सही पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके। साथ ही, पोषण से संबंधित आईईसी सामग्री भी वितरित की गई।

जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, पंचकूला डॉ. सविता नेहरा द्वारा सभी विभागों को संबोधित करते हुए आगामी 15 दिनों में आयोजित की जाने वाली पोषण पखवाड़ा की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही जिला पोषण समन्वयक श्रीमती मीनू द्वारा भी विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें तथा अधिक से अधिक लोगों तक पोषण का संदेश पहुंचाएं। उन्होंने विशेष रूप से जमीनी स्तर पर गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग पर बल दिया।

इस अवसर पर कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण हेतु पोषण पखवाड़ा की शपथ माननीय उपायुक्त महोदय द्वारा दिलाई गई।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, पंचकूला, सिविल सर्जन, पंचकूला, कार्यकारी अभियंता, पंचायती राज, पंचकूला, जिला शिक्षा अधिकारी, पंचकूला, जिला आयुष अधिकारी, पंचकूला, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, पंचकूला, विभिन्न एनजीओ तथा रॉकेट लर्निंग की टीम भी उपस्थित रही।

बैठक में यह संकल्प लिया गया कि पोषण पखवाड़ा के माध्यम से जिले में कुपोषण को दूर करने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएंगे।

आत्मा शाश्वत और आध्यात्मिक है : गोपाल दास

- सेक्टर-16 अग्रवाल भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरे कृष्णा प्रचार समिति एवं इस्कॉन कुरुक्षेत्र के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-16 स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास साक्षी गोपाल दास ने अपने प्रवचनों में भक्ति, नाम जप और आत्मा के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आत्मा शाश्वत, अजर-अमर और आध्यात्मिक है, जिसकी कभी मृत्यु नहीं होती। यह भौतिक शरीर नष्ट हो जाता है, लेकिन आत्मा सनातन है। भौतिक संसार क्षणभंगुर है, जबकि इसके परे परमधाम है, जहां भगवान की भक्ति करने वाला जीव बैकुंठ धाम को प्राप्त कर जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। कथा के दौरान साक्षी गोपाल दास ने राजा अमरीश के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि उनका संपूर्ण जीवन भगवान की भक्ति को समर्पित था। उनका मन भगवान में, वाणी भगवान के चिंतन में, हाथ सेवा में, कान कथा श्रवण में और नेत्र भगवान के दर्शन में लगे रहते थे। जब दुर्वासा ऋषि ने उन्हें श्राप देने का प्रयास किया, तब भी उन्होंने क्रोध नहीं किया और विनम्रता का परिचय दिया। इससे यह शिक्षा मिलती है कि सच्चा भक्त हर परिस्थिति में धैर्य और श्रद्धा बनाए रखता है।

उन्होंने राम नाम की महिमा बताते हुए कहा कि ÷राम से बड़ा राम का नाम÷ है। भगवान के नाम का जप करने से पापी से पापी व्यक्ति का भी उद्धार हो सकता है। केवल भगवान का नाम लेने मात्र से तीनों लोकों में कल्याण होता है और मनुष्य का जीवन सफल बनता है। प्रवचन के उपरांत श्रद्धालुओं ने हरे कृष्ण महामंत्र की धुन पर भक्ति भाव से नृत्य किया और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इसके पश्चात गोपाल कृष्ण शर्मा, अनिल भाटिया, वैभव, कविता गोयल, भावना गोयल, अमित गुप्ता, पुनीत खुराना, सत्यव्रत शर्मा, ममता शर्मा, बृज किशोर, ओम प्रकाश और कमल खेड़ा सहित अन्य श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया।

रोकथाम

18 साल से कम उम्र की लड़की और 21 साल से कम उम्र के लड़के का विवाह गैर जमानती अपराध : डीसी

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन सख्त

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 9 अप्रैल। उपायुक्त सतपाल शर्मा ने आज लघु सचिवालय के सभागार में आगामी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन बाल विवाह की रोकथाम के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की शादी गैर कानूनी व अमान्य मानी जाती हैं और शादी करने और इसमें सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कारवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने बताया कि अक्षय तृतीय के पवित्र दिन अनेक धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते है और इस दिन सामूहिक बाल विवाह के आयोजनों की भी संभावना होती है। उन्होने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम के नए संसोधन के अनुसार लडकों के लिए 21 वर्ष की आयु से पूर्व और लडकियों के लिए 18 वर्ष से पहले विवाह गैर कानूनी होने के साथ साथ पहले दिन से ही अमान्य माना जाता है। उन्होंने बताया कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, उसको ब?ावा देता है या करने में किसी भी प्रकार से सहायता करता है उसे 2 साल तक की सजा या 1 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला भी दर्ज किया जा सकता है।

सतपाल शर्मा ने निर्देश दिए कि बाल विवाह रोकने के लिए पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, बाल कल्याण समिति, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग पंचकूला के साथ-साथ एनजीओ और अन्य सामाजिक संगठन अक्षय तृतीय के अवसर पर जिला में बाल विवाह रोकने के लिए एक टीम के रूप में कार्य करेंगे।

हेल्पलाइन पर दें जानकारी

जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें अपने आसपास बाल विवाह होने से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है तो वे हेल्पलाइन नंबर 100, 181, 112 और 1098 पर दें ताकि बाल विवाह को रूकवाया जा सके और इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई अमल में लाई जा सके। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि बाल विवाह जैसे गैर कानूनी अपराध को रोकने के लिए कडे कदम उठाने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करना भी आवश्यक है। उन्होने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि 19 अप्रैल को अक्षय तृतीय के दिन सरपंचों और पंचायत सदस्यों को अत्याधिक सर्तक रहने के लिए कहा जाए ताकि वे अपने अपने गांवों में बाल विवाह के संभावित मामलों पर पैनी नजर रख सकें और किसी भी संदिग्ध और नियोजित बाल विवाह के बारे में हेल्पलाईन नंबर पर जानकारी दे सकें।

देश के नेतृत्व से वैश्विक उत्कृष्टता तक: पंजाब सरकार ने उपस्थिति संबंधी सुधारों के साथ मिशन समर्थ 2026-27 की शुरुआत की

मिशन समर्थ 4.0 के उपस्थिति संबंधी सुधारों से पंजाब की शिक्षा क्रांति अब अगले मुकाम की ओर : बैंस

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब की शिक्षा क्रांति को अगले चरण में ले जाने के उद्देश्य से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री तथा 'आप' पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने आज मिशन समर्थ 4.0 की शुरुआत की। यह शिक्षा में वैश्विक स्तर की उत्कृष्टता लाने वाला प्रमुख बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह नई पहल राज्यव्यापी उपस्थिति ट्रैकिंग प्रणाली की सुविधा प्रदान करती है, जिसके तहत अभिभावकों को अपने बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे। यह वास्तविक समय की जवाबदेही और क्लासरूम में सीखने के लिए निरंतर सकारात्मक माहौल की ओर बढ़ रहे पंजाब का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम को पंजाब की शिक्षा क्रांति में अगली बड़ी छलांग बताते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पंजाब, जो पहले ही परख (प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और समग्र विकास के लिए ज्ञान विश्लेषण) सर्वेक्षण में पहले स्थान पर है, अब क्लासरूम जवाबदेही को मजबूत करके और जांचे-परखे शिक्षा अभ्यासों को अपनाकर रचनात्मक नतीजों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिक्षा बजट बढ़ाकर 19,279 करोड़ रुपए कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फंड फाइलों में अटके रहने की बजाय क्लासरूम तक पहुंचें। इससे सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे से लेकर नतीजों तक सार्थक बदलाव आएगा। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पंजाब के शीर्ष स्थान का हवाला देते हुए शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने मिशन समर्थ 2026-27 के हिस्से के रूप में उपस्थिति ट्रैकिंग सिस्टम की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा, अभिभावकों को उनके बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे और हर गैर-उपस्थिति की जानकारी भी दी जाएगी। इसका उद्देश्य नियमित उपस्थिति, सीखने की रुचि और विभिन्न गतिविधियों में बच्चे की भागीदारी बढ़ाना है। सात दिनों तक गैर-उपस्थित रहने वाले बच्चे से जिला स्तर पर अभिभावकों से संपर्क किया जाएगा, जबकि 15 दिनों से अधिक गैर-उपस्थिति पर अभिभावकों को सूबे के मुख्य दफ्तर से संपर्क करना होगा। यह सीखने की निरंतरता और बच्चों की सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम की महत्ता पर जोर देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, 'मिशन समर्थ ने क्लासरूम की नुहार बदल दी है। यह चरण उपस्थिति ट्रैकिंग, बेहतर निगरानी और उत्कृष्ट अभ्यासों को साझा करके शिक्षा के मानक और जवाबदेही को बढ़ाने पर केंद्रित है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चे के लिए बुनियादी शिक्षा का आधार मजबूत हो।'

अपनी सफलता की यात्रा के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मैं इस जिम्मेदारी (शिक्षा मंत्री होने) के लिए आभारी हूं। पहले हर विधायक मंत्री बनना चाहता था, लेकिन शिक्षा मंत्री नहीं। पर मेरे लिए यह एक पसंदीदा काम रहा है।'

पंजाब सरकार के शिक्षा में निवेश के बारे में बताते हुए मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा, 'मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 2021-22 में शिक्षा बजट 12,657 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 2026-27 में 19,279 करोड़ रुपए कर दिया, जो पंजाब के किसी भी क्षेत्र के लिए सबसे बड़ी आवंटन राशि है। यह पैसा सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि हर स्कूल तक पहुंच गया है। पिछली सरकारों के दौरान शिक्षकों को शौचालय की मरम्मत या झाड़ू खरीदने के लिए चंदा इकट्ठा करना पड़ता था, लेकिन अब वे कहते हैं कि ग्रांट न भेजो, हम पिछली ग्रांट भी पूरी तरह खर्च नहीं कर पाए।'

उन्होंने भगवंत मान सरकार के शासन में स्कूलों के बुनियादी ढांचे में सुधार पर और जोर देते हुए कहा कि 500 से अधिक विद्यार्थियों वाले हर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अब एक समर्पित कैंपस मैनेजर है, जबकि 100 से अधिक विद्यार्थियों वाले स्कूलों को सुरक्षा गार्ड और सेनिटेशन स्टाफ प्रदान किया गया है। पहले ये सुविधाएं स्कूलों में उपलब्ध नहीं थी।

पंजाब ने साबित कर दिया है कि सरकारी स्कूल कर सकते हैं देश का नेतृत्व

मनीष सिसोदिया ने कहा, 'पंजाब ने साबित कर दिया है कि सरकारी स्कूल देश का नेतृत्व कर सकते हैं। परख 2024 में अव्वल होना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। मिशन समर्थ 4.0 के साथ राज्य यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर बच्चा हर रोज स्कूल जाए और पूरी लगन से कुछ सीखकर आए। यह वैश्विक उत्कृष्टता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।' सुधारों के पीछे की सोच पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'हर बच्चे को आईआईटी नहीं भेजा जा सकता, लेकिन सरकार का फर्ज यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी बच्चे की कार्यगुजारी बॉटम लाइन से नीचे न जाए। क्योंकि अगर किसी भी सिस्टम में कोई बच्चा इस लाइन से नीचे चला जाता है तो इसका अर्थ सरकार की नाकामी होगी। बच्चे आंकड़ों को नहीं, उम्मीद को दर्शाते हैं और उम्मीद को बॉटम लाइन से नीचे नहीं छोड़ा जा सकता।

सीखने की निरंतरता को मजबूत करने के लिए उपस्थिति-संबंधी सुधार

भगवंत मान सरकार के प्रमुख कार्यक्रम मिशन समर्थ के तहत बच्चों को ग्रेड की बजाय उनके सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षा प्रदान करने के लिए एक केंद्रित, क्लासरूम-संचालित दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जिसमें अंतर की पहचान के लिए नियमित मूल्यांकन, गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण और शिक्षकों के लिए निरंतर सलाह शामिल है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पंजाब बेहतर प्रदर्शन वाले राज्य के रूप में उभरा है, इसलिए पंजाब सरकार ने अब शिक्षा में राष्ट्रीय नेतृत्व से वैश्विक उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए मिशन समर्थ 2026-27 की शुरुआत की है। इस चरण के अंतर्गत राज्य स्तरीय उपस्थिति ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत अभिभावकों को उनके बच्चे की उपस्थिति के बारे में रोजाना एसएमएस प्राप्त होंगे, जिसमें हर गैर-उपस्थिति की जानकारी दी जाएगी।

गैंगस्टरों ते वार का 79वां दिनः पंजाब पुलिस द्वारा 567 स्थानों पर छापेमारी; 252 गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक ÷गैंगस्टरों ते वार÷ मुहिम के 79वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 567 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ÷गैंगस्टरों ते वार÷ पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 79वें दिन पुलिस टीमों ने एक हथियार बरामद करने के बाद 252 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस मुहिम की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 19,894 हो गई है। इसके अलावा 80 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 72 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 10 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 पर गुप्त रूप से गैंगस्टरों और वांछित अपराधियों के बारे में सूचना दे सकते हैं, साथ ही अपराध और आपराधिक गतिविधियों की जानकारी भी साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने ÷युद्ध नशों विरुद्ध÷ अभियान के 404वें दिन 129 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2.9 किलोग्राम हेरोइन, 40,507 नशीली गोलियां/कैप्सूल तथा 27,299 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, केवल 404 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 57,952 हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 22 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया।

एस.पी. के खिलाफ कार्रवाई हेतु पंजाब के गृह सचिव और डी.जी.पी. को लिखा पत्र

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन स जसवीर सिंह गढ़ी ने राज्य के गृह सचिव, पंजाब और डी.जी.पी. को पत्र लिखकर पुलिस के एक एस.पी. रैंक के अधिकारी द्वारा आयोग के आदेशों की अवहेलना किए जाने के मामले में नियमों के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि धर्म चंद पुत्र कर्ता राम, निवासी गांव झूंगियां, तहसील बलाचौर, जिला शहीद भगत सिंह नगर की शिकायत संख्या क(ग) 113/25 प्राप्त हुई थी। इस शिकायत में जातिसूचक अपशब्द कहने, मारपीट करने, अपमानित करने, घर पर हमला करने, तेजधार हथियार से वार करने तथा झूठा मामला दर्ज कर उसे रद्द करवाने संबंधी न्याय की मांग की गई थी। प्रवक्ता ने बताया कि आयोग द्वारा पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग अधिनियम-2004 की धारा 10 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए इस शिकायत की जांच शुरू की गई।

एक नजर

पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत 245 करोड़ रुपये जारी, 2.45 लाख छात्रों को बड़ी राहत : डॉ. बलजीत

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा अनुसूचित जाति समुदाय के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया गया है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत पंजाब सरकार के हिस्से के रूप में 245 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि इस योजना के तहत 2 लाख 45 हजार से अधिक पात्र विद्यार्थियों का डेटा प्राप्त हुआ है, जिन्हें इस राशि का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह स्कॉलरशिप आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है और इससे हजारों परिवारों पर पढ़ाई का आर्थिक बोझ कम हुआ है। मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र विद्यार्थी केवल आर्थिक तंगी के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना हजारों विद्यार्थियों के लिए उम्मीद की नई किरण बन रही है, जिससे वे अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। डॉ. बलजीत कौर ने आगे कहा कि जब गरीब परिवारों के बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ते हैं, तो इससे न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार सामाजिक न्याय, समान अवसर और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पराली जलाने में कमी लाने की पहल के लिए स्कॉच सिल्वर अवॉर्ड 2025

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) को उसके प्रोजेक्ट संकट से सफलता तक ङ्क पंजाब की स्वच्छ हवा परिवर्तन यात्राध्न के लिए पर्यावरण श्रेणी में स्कॉच सिल्वर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 107वें स्कॉच समिट 'गवर्नेंस ट्रांसफॉर्म्ड' के दौरान प्रदान किया गया। पिछले पांच वर्षों में पंजाब ने पराली जलाने की समस्या के समाधान के लिए बहु-विभागीय प्रयासों के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है। इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग और सख्त अनुपालन के साथ-साथ दीर्घकालिक संरचनात्मक उपाय शामिल हैं, जैसे कि सीआरएम मशीनरी की बड़े पैमाने पर तैनाती, कस्टम हायरिंग सेंटरों को मजबूत करना, तथा धान की पराली के बाहरी उपयोग में वृद्धि–जो 8.8 लाख टन से बढ़कर 40 लाख टन वार्षिक हो गया है। पीपीसीबी की चेयरपर्सन श्रीमती रीना गुप्ता ने कहा, हम इस राष्ट्रीय स्तर की मान्यता प्राप्त कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह पंजाब सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत एक जटिल पर्यावरणीय चुनौती का समाधान किया जा रहा है।

दहेज उत्पीड़न व घरेलू हिंसा के आरोप में पति समेत तीन पर केस दर्ज

जीरकपुर, 9 अप्रैल। सुषमा वैलेंसिया निवासी एक महिला की शिकायत पर जीरकपुर थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और मारपीट के गंभीर आरोपों में पति सहित ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसएएस नगर के निर्देश पर की गई है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका विवाह 3 अप्रैल 2016 को प्रभनीत सिंह मैनी निवासी फेज-1, मोहाली के साथ हुआ था। शादी के समय उसके परिवार द्वारा करीब 25 लाख रुपये खर्च किए गए थे और भारी मात्रा में दहेज भी दिया गया। इसके बावजूद विवाह के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष द्वारा उसे कम दहेज लाने के ताने दिए जाने लगे और अतिरिक्त पैसों की मांग की जाने लगी।

अमलाला गांव में घग्गर पुल की हालत पर चिंता, भाजपा नेता एसएमएस संधू पहुंचे धरने में

पंचकूला ऑब्जर्वर

डेराबस्सी, 9 अप्रैल। अमलाला गांव में माइनिंग के चलते अमलाला-कराला लिंक रोड पर स्थित घग्गर नदी का पुल खतरे की स्थिति में पहुंच गया है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर गांववासियों द्वारा लगाए गए धरने में भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और पंजाब इन्फोटेक के पूर्व चेयरमैन श्री एसएमएस संधू ने पहुंचकर अपना समर्थन दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए एसएमएस संधू ने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र के मौजूदा विधायक कुलजीत सिंह रंधावा को इस पुल की मरम्मत के लिए तुरंत कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला आम जनता की सुरक्षा से जुड़ा है और इसमें किसी भी तरह की देरी नुकसानदायक साबित हो सकती है। संधू ने धरने पर बैठे लोगों के प्रति सहानुभूति जताते हुए अपनी सेवाएं भी पेश कीं। इस दौरान अमलाला के पूर्व सरपंच बल्हार बल्ली ने कार सेवा वाले बाबा जी से अनुरोध किया, जिसके बाद पुल की मरम्मत का काम शुरू करवाया जा रहा है। धरने में लाभ सिंह जोला, सुभाष सैनी, बब्बी सैदपुरा, नरिंदर जंगी और पंडित अशोक शर्मा भी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन जल्द से जल्द पुल की स्थिति सुधार कर किसी बड़े हादसे से बचाव सुनिश्चित करे।

पंजाब के वित्त मंत्री ने पेंशनर सेवा पोर्टल को लेकर बैंकों के साथ की समीक्षा बैठक

पेंशन प्रक्रिया में देरी असहनीय : हरपाल चीमा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पेंशनर सेवा पोर्टल से जुड़ी देरी और लंबित मामलों को लेकर बैंकों के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में पेंशन का भुगतान बैंकों के प्रदर्शन और वास्तविक प्रगति के आधार पर ही किया जाएगा। उन्होंने बैंकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पोर्टल से संबंधित सभी लंबित कार्यों का तुरंत निपटारा किया जाए और सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि पेंशन प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि 24 दिसंबर 2025 और 2 फरवरी 2026 को हुई बैठकों में बैंकों ने समयसीमा तय की थी, लेकिन उसका पूरी तरह पालन नहीं हुआ। इसके बाद समयसीमा में संशोधन किया गया। 26 फरवरी 2026 की बैठक में नवंबर 2025 की पेंशन जारी करने का निर्णय लिया गया था, जिसे बैंकों की शर्तों के साथ लागू किया गया। उन्होंने जानकारी दी कि नवंबर 2025 के ई-स्क्रॉल अपलोड हो चुके हैं और भुगतान जारी कर दिया गया है। अब डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (जीवन प्रमाण) और बैंक सॉफ्टवेयर के पोर्टल से एकीकरण पर तेजी से काम करने की जरूरत है। पंजाब एंड सिंध बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और केनरा बैंक यह प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। चीमा ने बैंकों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित मानकों के अनुसार सही स्क्रॉल अपलोड करें, लंबित पीपीओ पीडीएफ जमा कराएं और अस्थायी पेंशनरों के मामलों को प्राथमिकता दें। साथ ही, जिला कोषागार अधिकारियों द्वारा बताई गई त्रुटियों को भी तुरंत दूर किया जाए। उन्होंने एनआरआई पेंशनरों की सही पहचान सुनिश्चित करने और उनके जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करने के निर्देश भी दिए।

हरभजन सिंह ईटीओ ने लोक निर्माण विभाग की सड़कों की प्रगति संबंधी समीक्षा बैठक की

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब सरकार के लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य में निर्मित की जा रही सड़कों की प्रगति के संबंध में कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. की अध्यक्षता में आज पंजाब भवन में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा सड़क निर्माण के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि बरसात के मौसम से पहले सड़क निर्माण से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों के निर्माण में नई तकनीक फुल डेप्थ रिक्लेमेशन का उपयोग करते हुए ग्रामीण सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। पहले चरण में 410 किलोमीटर सड़कों को इस तकनीक के माध्यम से पुनर्निर्मित किया जाएगा। इस तकनीक के जरिए सड़क में पहले से मौजूद रोड मेटल का पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे अतिरिक्त खनन की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी और सड़कों का स्तर अनावश्यक रूप से ऊंचा होने से भी बचाया जा सकेगा। कैबिनेट मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि हाल ही में हुई बेमौसमी बारिश के कारण कार्य में आई देरी को दूर करने के लिए तेजी से काम किया जाए और प्रगति को बढ़ाया जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि राज्य में हॉट मिक्स प्लांट अपनी पूर्ण क्षमता के साथ कार्य कर रहे हैं।

पंजाब को कर्ज के जाल में धकेल रही है सरकार, अदालत से लेकर संसद तक उठाएंगे मुद्दा : रंधावा

चंडीगढ़, 09 अप्रैल। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और गुरदासपुर से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने गुरूवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की वित्तीय नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य को लगातार कर्ज के जाल में धकेला जा रहा है। रंधावा के अनुसार, महज तीन महीनों में लगभग 9,500 करोड़ का कर्ज लेना सरकार की वित्तीय योजना की विफलता को दर्शाता है। इसमें अप्रैल में 4,000 करोड़, मई में 3,000 करोड़ और जून में 2,500 करोड़ का कर्ज शामिल है, जिसमें से 1,500 करोड़ की पहली किस्त पहले ही ली जा चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, सरकार का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 40,000 करोड़ उधार लेने का लक्ष्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति जारी रही, तो आने वाले वर्षों में पंजाब गंभीर वित्तीय संकट की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने मांग की कि सरकार राज्य के कर्ज और वित्तीय स्थिति पर तुरंत एक श्वेत पत्र जारी करे ताकि जनता को सच्चाई पता चल सके।

गुरदासपुर में आईएसआई समर्थित बीकेआई आतंकी मॉड्यूल से जुड़े दो व्यक्ति गिरफ्तार; 5 हैंड ग्रेनेड, आईईडी सामग्री बरामद

■ **यह बरामदगी राज्य में शांति भंग करने के उद्देश्य से उच्च-प्रभाव वाले हमलों की तैयारियों को दर्शाती है: डीजीपी**

पंचकूला ऑब्जर्वर

गुरदासपुर, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता में, अमृतसर ग्रामीण, गुरदासपुर और काउंटर इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आकाश मसीह और जबलौन के रूप में हुई है, जो दोनों जिला गुरदासपुर के थाना घुमान कलां के गांव दुल्ला नंगल के निवासी हैं। दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ महत्वपूर्ण बरामदगियां हुई हैं, जिनमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो विशेष डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर युक्त पुश-टू-टॉक (पीटीटी) टाइमर, 9 वोल्ट बैटरी, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सामग्री (1 किलोग्राम उच्च विस्फोटक), केबल तथा ट्रिगर सहित एक बाओफेंग वॉकी-टॉकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह बरामदगी इस बात का संकेत है कि यह मॉड्यूल राज्य में शांति भंग करने के लिए उच्च-प्रभाव वाले आतंकी हमलों की तैयारी कर रहा था।

डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल विदेशी हैंडलरों द्वारा संचालित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इसके आगे-पीछे के संबंध, व्यापक साजिश और स्थानीय सहयोगी नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने ऑपरेशन का विवरण देते हुए बताया कि टी-प्वाइंट जोगोवाल बेदिया पर विशेष पुलिस चेकिंग के दौरान जोगोवाल बेदिया गांव की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने मौके से भागने के लिए यू-टर्न लेने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें काबू कर लिया। एसएसपी ने बताया कि पीछे बैठे व्यक्ति के पास नीले और पीले रंग के दो बैग थे, जिन्हें कपड़े से ढका हुआ था। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से विस्फोटक सामग्री और उपकरण बरामद किए गए। उन्होंने आगे बताया कि फोरेंसिक और बम निरोधक टीमों को मौके पर बुलाया गया और विस्फोटक सामग्री व ग्रेनेड को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया। संबंध में थाना कलानौर, गुरदासपुर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत एफआईआर नंबर 45 दिनांक 08/04/2026 दर्ज की गई है।

सीएम सैनी ने हाई पावर बैठक में लिए बड़े फैसले, 10 से अधिक विभागों की खरीद प्रक्रियाओं को दिया गया अंतिम रूप

1028 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा में विकास कार्यों को नई गति देने के लिए नायब सरकार ने 1028 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर्ड परचेज कमेटी की बैठक में विभिन्न विभागों के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, जल प्रबंधन और औद्योगिक विकास से जुड़े प्रोजेक्ट्स को अंतिम रूप दिया गया। खास बात यह रही कि बोलीदाताओं से बातचीत कर लगभग 96 करोड़ रुपये की बचत भी सुनिश्चित की गई। बैठक में हरियाणा पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन, डीएचबीवीएन, एचएसआईआईडीसी, पीडब्ल्यूडी, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डीएमईआर, एफएमडीए, जीएमडीए, सिंचाई विभाग और पीएचईडी सहित 10 से अधिक विभागों की विभिन्न परियोजनाओं पर करीब 1028 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें, ताकि कार्य निर्धारित समय सीमा में और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे और सभी अधिकारी खर्च की जाने वाली राशि के सदुपयोग पर विशेष ध्यान दें। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

25 केवीए ट्रांसफार्मरों की खरीद प्रक्रिया को मंजूरी

बैठक में 11 मीटर लंबे पीसीसी पोल, सिंगल फेस और थ्री फेस नेट मीटर तथा 25 केवीए ट्रांसफार्मरों की खरीद प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया। इसके अलावा, हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 'हर-हित' रिटेल प्रोजेक्ट के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के लिए 29 करोड़ रुपये की कमोडिटी खरीद को मंजूरी दी गई। प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 'स्टूडेंट एंड फैकल्टी लाइफ साइकिल मैनेजमेंट सिस्टम' (एसएफएलएम) लागू करने हेतु 5.78 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे चिकित्सा शिक्षा प्रणाली में कार्यक्षमता और एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, गुरुग्राम महानगर से यमुना नदी की ओर स्टॉर्म वाटर डायवर्जन से संबंधित सर्वेक्षण और डीपीआर तैयार करने के लिए 6.60 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दी गई। बैठक में ऊर्जा मंत्री अनिल विज, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, अतिरिक्त मुख्य सचिव राजा शेखर वुंडरू, अतिरिक्त

गुरुग्राम में पंपिंग स्टेशन के निर्माण पर खर्च होंगे 101 करोड़: इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के तहत करनाल के हसनपुर गांव में होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के लिए 47.20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। फरीदाबाद में मास्टर जल आपूर्ति योजना के लिए 17.75 करोड़ रुपये तथा धनवापुर, गुरुग्राम में 100 एमएलडी एमपीएस और 100 एमएलडी एसटीपी के निर्माण के लिए भी 17.75 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। गुरुग्राम में 665.5 एमएलडी क्षमता वाले मुख्य पंपिंग स्टेशन के निर्माण पर 101 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, पंचकूला के सेक्टर-1 स्थित अटल पार्क के विकास के लिए 20 करोड़ रुपये तथा सेक्टर-32 में विश्व स्तरीय शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु 109.80 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

दनौदा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 15.80 करोड़ मंजूर: औद्योगिक और पर्यावरणीय सुधारों के तहत पानीपत के सेक्टर-29-द्वद्ध में 21 एमएलडी क्षमता के अतिरिक्त कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट तथा 63 एमएलडी क्षमता के मुख्य पंपिंग स्टेशन के निर्माण के लिए 123.40 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। स्वास्थ्य क्षेत्र में जींद के नरवाना ब्लॉक के दनौदा गांव में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 15.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। इसके अतिरिक्त, भिवानी के गांव गरवा में लवण-प्रभावित क्षेत्रों के विकास हेतु एकीकृत एक्वा पार्क उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए 51.90 करोड़ रुपये तथा पलवल में एसबीआर तकनीक आधारित 8 एमएलडी एसटीपी के निर्माण के लिए 13.50 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। सिंचाई क्षेत्र में भालौट उप-शाखा के आरडी-83000 पर जलसेतु और निकास द्वार के पुनर्निर्माण के लिए 14.50 करोड़ रुपये तथा आरडी-82500 से 124000 के बीच विभिन्न संरचनाओं के निर्माण एवं पुनर्निर्माण के लिए 23.80 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई।

समाधान शिविरों की सुनवाई में अधिकारियों की गैरहाजिरी पर सीएम ने जताई नाराजगी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने समाधान शिविरों की औचक समीक्षा कर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने समाधान शिविरों में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए जिला उपायुक्तों और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहें और आमजन की समस्या सुनें। मुख्यमंत्री की समीक्षा के दौरान जिला महेंद्रगढ़ और एसडीएम कार्यालय बादशाहपुर में संबंधित अनुपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविरों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित की जाती है, जिसकी अध्यक्षता संबंधित उपायुक्त द्वारा की जानी चाहिए। जो अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अधिकारी स्वयं बैठकों की अध्यक्षता करें और लंबित शिकायतों के समाधान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने वीरवार को ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर प्रदेशभर में संचालित समाधान शिविरों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े नागरिकों की शिकायतें सीधे सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। बता दें कि प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को उपायुक्त तथा उपमंडल अधिकारी कार्यालयों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत करते हैं। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर संभव होता है, उनका तत्काल निपटारा किया जाता है, जबकि शेष मामलों का समाधान 7 से 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाता है। गौरतलब है कि 10 जून 2024 से आरंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत अब तक प्रदेशभर में लगभग डेढ़ लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 78 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक प्रियंका सोनी, मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती, विवेक कालिया सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

एक ही दिन में 6 गांवों में विकास कार्यों की सौगात दी

पंचकूला ऑब्जर्वर

पिहोवा, 9 अप्रैल। भाजपा के वरिष्ठ नेता पंडित जय भगवान शर्मा डीडी ने क्षेत्र में विकास की रफ्तार को नई दिशा देते हुए एक ही दिन में 6 से अधिक गांवों में विकास कार्यों का शुभारंभ कर जनता को बड़ी सौगात दी। उन्होंने कुल 10 से ज़्यादा विकास कार्यों का उद्घाटन किया, जिनमें गलियां, सीवरेज और बस स्टॉप जैसी बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं।

भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर गांव लोटनी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डीडी शर्मा ने तीन नई गलियों का लोकार्पण कर ग्रामीणों को बेहतर आधारभूत सुविधाओं का तोहफा दिया। गांव बोधनी में बस स्टॉप निर्माण का शुभारंभ किया और शिव मंदिर वाली गली का निर्माण कार्य शुरू किया द्य गांव जुरासी खुर्द में दो नई गलियां व सरस्वती खेड़ा कॉलोनी में दो गलियों का निर्माण और रतनगढ़ ककराली में शिव मंदिर से सरकारी स्कूल तक सीवरेज लाइन का शुभारंभ किया द्य डीडी शर्मा ने गांव जुरासी स्थित सचखंड ईश्वर दरबार में संत बाबा मान सिंह जी की तीसरी बरसी पर आयोजित समागम में भाग लेकर माथा टेका और संत महापुरुषों का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि संत-महापुरुष समाज को सही दिशा दिखाते हैं, और उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में भाईचारा और शांति बनी रह सकती है।

राजनीतिक रूप से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की नीतियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा की आज हरियाणा में बिना भेदभाव के विकास हो रहा है। सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। यही असली सुशासन है। वर्तमान सरकार की नीतियां जनहित, पारदर्शिता और समान विकास पर आधारित हैं, जिससे हर वर्ग को समान लाभ मिल रहा है।

न्यूज एक नजर

22 अवैध कारतूसों सहित युवक काबू

नरवाना, 9 अप्रैल। जिला जींद के नरवाना क्षेत्र में सीआईए स्टाफ ने एक बड़ी और सतर्क कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को 22 जिंदा कारतूसों सहित काबू किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें पुलिस की मुस्तैदी साफ तौर पर देखने को मिली। सीआईए इंचार्ज सुखदेव सिंह ने बताया कि उनकी टीम, मुख्य सिपाही हरदीप सिंह के नेतृत्व में इंदिरा कॉलोनी क्षेत्र में गश्त व संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक धरौदी फाटक, टोहाना रोड पर संदिग्ध हालत में खड़ा है और उसके पास अवैध कारतूस मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर युवक घबराकर तेज कदमों से आगे बढ़ने लगा, जिससे शक और गहरा गया। टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहित पुत्र बलिंद्र, निवासी मोर पट्टी नरवाना बताया। तलाशी के दौरान उसकी लोअर की दाहिनी जेब से .315 बोर के कुल 22 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी से जब इन कारतूसों के संबंध में लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत करने को कहा गया, तो वह कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर नरवाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

एनटीएसई परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

उचाना मंडी। श्री शिव मंदिर सनातन धर्म वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उचाना कला में एनटीएसई की परीक्षा का आयोजन 30 जनवरी को हुआ था। इसका परिणाम अब जारी हुआ। ये परीक्षा प्रांत स्तर पर आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता में 240 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया। 211 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को 3100, 2100 एवं 1100 रुपए पुरस्कार के रूप में दिए गए। प्रथम स्थान स्नेहा पुत्री अमरजीत, मिशा पुत्री अजीत पाल, सिमरन पुत्री परमिल कुमार कक्षा नौवीं ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पावनी पुत्री श्याम सुंदर कक्षा नौवीं ने प्राप्त किया तो तृतीय स्थान पर सोनल पुत्री पवन, विरेन पुत्र कुलदीप कक्षा आठवीं रहे। 28 विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार के तौर पर 500-500 रुपए की राशि दी गई। प्राचार्य रणधीर सिंह ने मेधावी विद्यार्थियों एवं इंचार्ज राकेश रानी को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से खराब फसलों का मुआवजा दें सरकारः सुल्तान जडौला

कैथल, 9 अप्रैल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सुल्तान सिंह जडौला ने कहा कि हरियाणा में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। गेहूं की तैयार खड़ी फसल कई जिलों में खेतों में ही भीगने के साथ नीचे गिर गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस आपदा ने न केवल किसानों की आय पर असर डाला है, बल्कि उनके भविष्य के सपनों को भी गहरी चोट पहुंचाई है। कैथल में बातचीत करते हुए कांग्रेस के पूर्व विधायक सुल्तान सिंह जडौला ने कहा कि बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की फसल जमीन पर गिर गई है और दाने खराब होने लगे हैं। मंडियों में भी अव्यवस्था और खरीद प्रक्रिया में देरी के कारण किसानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। इस स्थिति ने राज्य सरकार की तैयारियों और नीतियों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुल्तान सिंह जडौला ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य सरकार को तुरंत प्रभाव से नुकसान का सही आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा और आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। मंडियों की व्यवस्थाओं को तुरंत दुरुस्त किया जाए और फसल खरीद से जुड़ी अनावश्यक शर्तों को हटाकर किसानों को राहत दी जाए। सुल्तान जडौला ने कहा कि हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं प्रदेश भर की मंडियों का दौरा कर रहे है और किसानों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके निवारण के लिए सरकार को अवगत करवा रहे है। साथ ही पूर्व सीएम हुड्डा ने कांग्रेस के सभी विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मंडियों की स्थिति का जायजा लें, किसानों की आवाज उठाएं और प्रशासन को सचेत करें। इस प्राकृतिक आपदा के बीच किसानों की सबसे बड़ी मांग है कि सरकार जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए।

चिट्टे और चुरापोस्त के साथ 3 नशा तस्कर गिरफ्तार

कैथल, 9 अप्रैल। कैथल पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी नारकोटिक सेल की मुस्तैदी से दो अलग-अलग मामलों में तीन तस्करों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 किलो 125 ग्राम चूरापोस्त तथा 7.24 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद की है। साथ ही नशा तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया है। डीएसपी रोहताश ने प्रेसवार्ता में बताया कि एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ढांड रोड पर तैनात थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि एक स्विफ्ट डिजायर कार में सवार दो युवक कोर्ट रोड के पास चूरापोस्त बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देर किए रेडिंग पार्टी गठित कर मौके पर दबिश दी और संदिग्ध कार को घेरकर दोनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान गांव क्योड? निवासी रिंकू उर्फ काला और आर्यन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान कार की सीट के नीचे से एक पॉलिथीन में 4 किलो 125 ग्राम चूरापोस्त बरामद हुआ। दूसरे मामले में एंटी नारकोटिक सेल की टीम को महाराणा प्रताप चौक, राजौंद के पास विश्वसनीय सूचना मिली कि एक युवक हेरोइन की तस्करी में संलिप्त है और बस अड्डे के पास किसी के इंतजार में खड़ा है। पुलिस ने मौके पर दबिश दी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाले में कार्रवाई शुरू, हरियाणा सरकार हुई सख्त

सीबीआई ने दिल्ली में दर्ज की एफआईआर हरियाणा में दो आईएएस अधिकारी निलंबित

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा में लगातार सामने आ रहे बैंक घोटालों में सरकार सख्त हो गई है। एक तरफ जहां वीरवार को सीबीआई ने दिल्ली में एफआईआर दर्ज की वहीं हरियाणा सरकार ने दो आईएएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में करीब 590 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ, जिसमें आईएएस अधिकारियों ने बैंक प्रबंधकों से मिलीभगत कर सरकारी पैसे को इधर से उधर खुर्दबुर्द किया और इसके बदले में निजी लाभ कमाए। इसी तरह, कोटक महिंद्रा बैंक ने पंचकूला नगर निगम के करीब 160 करोड़ रुपये को खुर्दबुर्द करने का काम किया। एयू स्माल फाइनेंस में भी करोड़ों रुपये के घपले में हुए हैं।

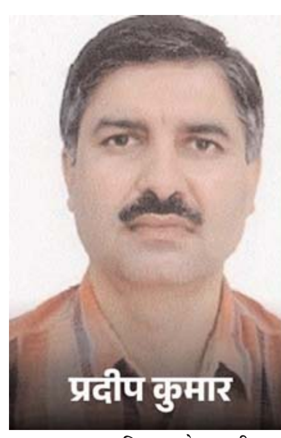

प्रदीप कुमार

राम कुमार सिंह

2011 बैच के आईएएस है प्रदीप कुमार

हरियाणा सरकार ने गुरुवार को 2011 बैच के आईएएस प्रदीप कुमार-1 और 2012 बैच के राम कुमार सिंह को निलंबित कर दिया। प्रदीप कुमार परिहवन विभाग में निदेशक व विशेष सचिव तथा रामकुमार सिंह राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में विशेष सचिव के पद पर कार्यरत हैं। राज्य सरकार द्वारा किसी आईएएस अधिकारी के विरुद्ध जारी निलंबन का आदेश केवल 30 दिनों तक वैध होता है। इसके बाद केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक होती है। कोई भी निलंबन का आदेश जिसे आगे बढ़ाया जाए, वह सामान्यत: चार माह तक वैध रह सकता है। प्रदीप कुमार करीब अढाई महीने बाद 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जबकि राम कुमार सिंह की सेवानिवृत्ति डेढ़ वर्ष बाद 30 नवंबर 2027 में निर्धारित है। निलंबन के आदेशों में सीधे तौर पर बैंक घोटालों का कोई उल्लेख नहीं है। इसके बावजूद अफसरशाही में इस कार्रवाई को बैंक घोटाले से जोड़ा जा रहा है।

आधा दर्जन अधिकारी सरकार के रॉडार पर

बुधवार को देर रात जारी 15 उच्च अधिकारियों की तबादला सूची में भी पांच अधिकारी ऐसे हैं, जिन्हें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से बैंक घोटालों में संलिप्त बताया जा रहा है। करीब आधा दर्जन अधिकारी सरकार के रॉडार पर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो की जांच में यह सामने आया कि राज्य की बहुत बड़ी अफसरशाही इन बैंक घोटाले में शामिल है, जिसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सौंपी गई। इसके बाद बुधवार की रात को बैंक घोटाले से जुड़े पांच सीनियर आईएएस अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों से हटाकर बहुत ही कम महत्व के पदों पर भेज दिया गया।

सांस्कृतिक विधाओं का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल। आरकेएसडी कालेज के कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा वार्षिक सांस्कृतिक गतिविधियों से संबंधित पारितोषिक एवं मेरिट सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रधान अश्वनी शोरेवाला, श्याम बंसल, सुनील चौधरी एवं प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने वर्षभर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार राशि, मोमेंटो एवं मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किए। प्राचार्य डॉ. गगन मित्तल ने प्रबंधक समिति के सहयोग तथा विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी विद्यार्थी सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन करते रहेंगे। अश्वनी शोरेवाला ने सांस्कृतिक टीम के संयोजक डॉ. अशोक अत्री, सह-संयोजिका प्रो. ऋचा लांग्यान एवं डॉ. राजीव शर्मा सहित सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी तथा भविष्य में भी पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। सह संयोजिका प्रो. ऋचा लांग्यान ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाविद्यालय ने जोनल यूथ फेस्टिवल तथा नीलम विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की।

ईमानदारी की मिसाल: होमगार्ड जवान ने राहगीर को लौटाया सड़क पर गिरा कैश

बराड़ा, 9 अप्रैल। अंबाला के बराड़ा क्षेत्र में खाकी की साख को मजबूती देते हुए पुलिस विभाग के एक होमगार्ड जवान ने ईमानदारी का परिचय दिया है। गश्त के दौरान सड़क पर लावारिस मिली नकदी को उसके असल हकदार तक पहुँचाकर जवान ने सार्वजनिक सेवा के उच्च आदर्शों को जीवंत कर दिया है। जानकारी के अनुसार, बराड़ा थाने में तैनात होमगार्ड जवान हरविंदर सिंह अपने नियमित गश्त मार्ग पर थे। इसी दौरान उन्हें मार्ग पर कुछ लावारिस नकदी और एक पर्स मिला। यह राशि स्थानीय निवासी रूपाराम की थी, जिसकी मेहनत की करीब 1500 रुपये की कमाई रास्ते में कहीं गिर गई थी। हरविंदर सिंह ने कर्तव्यनिष्ठा दिखाते हुए तुरंत इस घटना की सूचना अपने उच्च अधिकारियों को दी और बरामद राशि को सुरक्षित थाने में जमा कराया। थाना स्तर पर गहन जांच और उचित सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, पीड़ित रूपाराम को थाने बुलाया गया।

धरने के बाद जागा प्रशासन, एडीसी ने मंडी पहुंचकर एजेंसी को दिए खरीद करने के निर्देश

पंचकूला ऑब्जर्वर

घरौंडा, 9 अप्रैल। घरौंडा की नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद शुरू न होने पर आढ़तियों के विरोध और धरने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ। उपायुक्त के निर्देश पर एडीसी राहुल ने मंडी का दौरा कर अधिकारियों और व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद फूड सप्लाई एजेंसी को रोस्टर के अनुसार तुरंत खरीद शुरू करने के आदेश दिए गए, ताकि मंडी में चल रही अव्यवस्था को खत्म किया जा सके।

गुरूवार को मंडी में पहुंचे एडीसी राहुल ने बताया कि सरकार पहले ही खरीद का रोस्टर तय कर चुकी है। आढ़तियों के साथ बातचीत कर समन्वय बनाने की कोशिश की गई है, जिससे खरीद प्रक्रिया बिना रुकावट जारी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी एजेंसियों को रोस्टर के अनुसार खरीद करनी होगी और किसी भी तरह की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। मंडी में गेहूं से भरी गाड़ियों के वजन को लेकर एडीसी ने कहा कि सरकारी कांटों को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि भीड़ या व्यवस्था के चलते जरूरत पड़ी तो नजदीकी निजी कांटों का सहारा लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लक्ष्य है कि गेहूं की लिफ्टिंग तेजी से हो, जिससे मंडी खाली हो सके और किसानों को परेशानी न झेलनी पड़े। एडीसी राहुल कुमार ने स्वीकार किया कि खरीद की तैयारियों में कुछ कमी रही है, जिन्हें जल्द पूरा किया जा रहा है। एक इंस्पेक्टर की आईडी कई जगह खुलने के कारण गेटपास काटने में देरी हो रही थी। अब इस तकनीकी समस्या को ठीक किया जा रहा है, जिससे काम में तेजी आएगी। बैठक के दौरान आढ़तियों के सुझाव भी सुने गए। एडीसी ने कहा कि आगे भी अगर कोई दिक्कत आती है तो उसका समाधान तुरंत किया जाएगा। उन्होंने आढ़तियों से अपील की कि किसी भी समस्या की जानकारी सीधे प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई हो सके।

बायोमेट्रिक का करेंगे विरोध, मंडी ट्रेक्टर-ट्राली लेकर आएंगे, देखते हैं कौन रोकेगा: रामपाल

12 अप्रैल को मंडी में अभय सिंह चौटाला, चौ. संपत्त सिंह और प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा खुद मार्किट कमेटी के कार्यालय तक लेकर जाएंगे ट्रेक्टर

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 9 अप्रैल। इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कहा कि बीजेपी पार्टी शुरू से ही किसान, मजूदर और कमेरा विरोधी रही है। अब गेहू खरीद में तुगलकी फैसले लागू कर दिए हैं। किसानों के लिए गेहूं बेचना जी का जंजाल बन गया है। पहले मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर पोर्टल करवाना, ट्रैक्टर के ऊपर नंबर लगाना, गेट पास कटवाने से पहले ट्रेक्टर-ट्राली के पास खड़ा होकर फोटो खिंचवाना और किसान की बायोमेट्रिक हाजिरी लगाना अनिवार्य कर गेहूं खरीद को जटिल बना दिया है। रामपाल माजरा अपने सेक्टर-20 के निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इंडियन नैशनल लोकदल इसका कड़ा विरोध करेगी। 12 अप्रैल को कैथल की नई अनाज मंडी में इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला, पूर्व मंत्री संपत्त सिंह और रामपाल माजरा खुद ट्रेक्टर लेकर बेरिकेड तोड़ते हुए मंडी जाएंगे, देखते हैं कौन उन्हें रोकेगा। इनेलो पार्टी किसान की गेहूं खरीद में बायोमेट्रिक हाजिरी लगाने का विरोध कर रही है, इसमें इनेलो के कार्यकर्ता, किसान और मजदूर भी शामिल होंगे। इनेलो पूरे समर्पण भाव से प्रयासरत है कि गेहूं खरीद में बायोमेट्रिक जैसी बेमतलब शर्त को हटवा कर किसानों को राहत दिलाई जाएगी। भाजपा सरकार ने इतनी कठोर शर्ते थोंप दी हैं, जो किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अनिल तंवर, प्रवीण चौधरी, महावीर पट्टी अफगान, गुलाब छौत और राममेहर खुराना आदि मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कह कि इनेलो ने हमेशा किसान, मजदूर सहित हर वर्ग की लड़ाई लड़ी है। पंजाब सरकार ने हरियाणा के हिस्से का पानी रोक लिया था, इसकी लड़ाई इनेलो पार्टी ने लड़ी और हरियाणा के हिस्से का पानी दिलवाकर पंजाब सरकार को झुकाने का काम किया। पानीपत में किसान की हत्या का मामला भी इनेलो ने उठाया। प्रदेश में एक लाख से ज्यादा बुजुर्गों की पेंशन रोक ली थी, बुजुर्गों की लड़ाई लड़ पेंशन को बहाल करवाया। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में छात्रों पर लाठीचार्ज किया, इसमें इनेलो पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लड़ाई लड़ी। जीरी में एमएसपी की दिलवाने की बात हो या बिजली के बढ़े रेटों को वापस करवाने में इनेलो ने अहम भूमिका निभाई।

सरकार अब तक इनेलो द्वारा की गई मांगों में 24 घंटे मंडियां खोलने, ट्रैक्टर-ट्राली पर नंबर प्लेट हटाने, फसल खरीद केंद्र के लिए लाइसेंस रिन्यू करने और मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल खोलने की मांगे मान चुकी है। जिसका श्रेय चौ. अभय सिंह चौटाला को जाता है। किसान अपनी गेहूं की फसल को सुचारू रूप से इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण मांग है कि बायोमेट्रिक सत्यापन की शर्त को तुरंत हटाया जाए। किसान कोई चोर, डकैत नहीं है, वे अपनी फसल बेचने के लिए मंडियों में आते हैं। किसानों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा, इनेलो पार्टी को चाहे कितनी लंबी लड़ाई क्यों न लडऩी पड़े।

आउटसाइडर होने का सबसे बड़ा स्ट्रगल, इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, ह्रष्ठ क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम ', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

पत्नी ऐश्वर्या के करियर से तुलना पर अभिषेक बच्चन की दो-टूक

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है।

क्या है तुलना को लेकर अभिषेक बच्चन का नजरिया?

लीली सिंह के पॉडकास्ट में अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

कौन सी है अभिषेक बच्चन की अपकमिंग फिल्म?

पिछले साल फिल्म 'आई वांट टू टॉक' और 'कालीधर लापता' में अभिषेक बच्चन ने एक लीक से हटकर किरदार निभाकर था। इस साल वह शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नेगेटिव रोल निभाएंगे। यह फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को रिप्रेजेंट करेंगी रश्मिका मंदाना

फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं।

रश्मिका ने जाहिर की खुशी

रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था।

वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। 'कॉकटेल 2' फिल्म 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और कृति सेनन लीड रोल में होंगी। वहीं रणबाली 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें रश्मिका अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी।

'सैयारा' के बाद अहान पांडे को मिली दूसरी फिल्म, शरवरी के साथ करेंगे रोमांस

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म अभी अनटाइटल्ड है और यह यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनेगी। जिसमें सैयारा से डेब्यू करने वाले अहान पांडे लीड रोल में होंगे। इसके अलावा फिल्म में शरवरी वाघ, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल भी होंगे। फिल्म को लेकर जानकारी देते हुए अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'और यह शुरू होता है।' साथ ही उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें अहान पांडे की इंटेंस आंखें और एक क्लैपबोर्ड दिखाई दे रहा है। यह उनके किरदार की शुरुआती झलक मानी जा रही है, जिसमें एक्शन और रोमांस के एलिमेंट्स मिले हुए हैं। बता दें कि यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी। इससे पहले दोनों मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है, में साथ काम कर चुके हैं।

फिल्म में रोमांस के साथ एक्शन भी होगा

फिल्म को लेकर बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि सैयारा की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद अहान पांडे को जेन' के प्रमुख मेल एक्टर्स में माना जा रहा है। वहीं शरवरी मुंज्या जैसी 100 करोड़ रुपए की फिल्म का हिस्सा रह चुकी हैं। सूत्र के अनुसार, दोनों कलाकारों ने अपनी एक्टिंग के दम पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने की क्षमता दिखाई है। इसी वजह से बड़े फिल्ममेकर इन पर भरोसा जता रहे हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि अली अब्बास जफर इस जोड़ी के साथ एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं जिसमें रोमांस मुख्य होगा और साथ में एक्शन भी शामिल रहेगा।

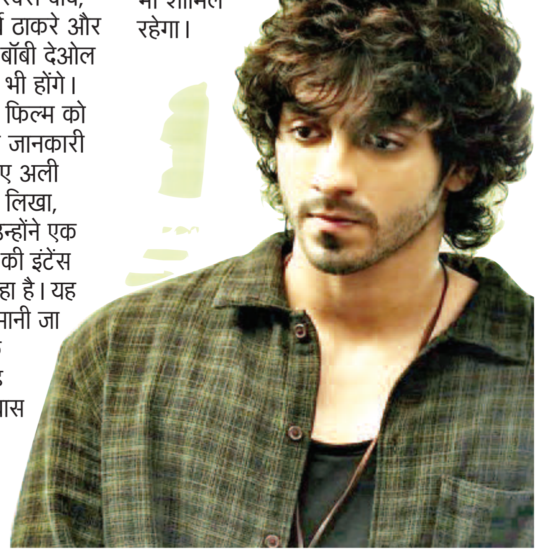

रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

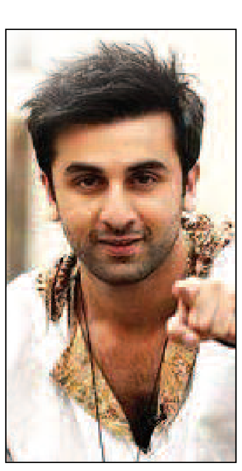

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। लॉस एंजेलिस में दिए इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

टाइगर श्रॉफ को इस बात का है फोबिया; छुटकारा पाने के लिए थेरेपी लेने की सोच रहे

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।

बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।

कई पायलटों से भी कर चुके हैं बात

हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।

जीवन के और पहलुओं पर भी असर करती है ज्यादा सोचने की आदत

अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

इन फिल्मों में नजर आएंगे टाइगर

हलांकि, टाइगर श्रॉफ को अपनी फिल्मों में जबरदस्त एक्शन और स्टंट सीन करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कई फिल्मों में ऐसा करके दिखाया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'बागी 4' में नजर आए थे। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'लग जा गले' और 'वज्र' जैसी फिल्में शामिल हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com